भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3558
गुरुवार, दिनांक 10 अगस्त, 2023 को उत्तर दिए जाने हेतु

पवन और सौर ऊर्जा का उत्पादन

3558. श्री एस. ज्ञानतिरावियम: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में पवन और सौर ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके कितनी मात्रा में ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है;

(ख) इन दोनों क्षेत्रों में कितनी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं;

(ग) कंपनियों द्वारा रक्षित खपत के लिए कितनी सौर ऊर्जा खरीदे जाने का अनुमान है;

(घ) पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस वर्ष के दौरान पवन और सौर ऊर्जा केंद्रों द्वारा कितनी ऊर्जा का उत्पादन किए जाने की संभावना है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (ग): दिनांक 30 जून, 2023 की स्थिति के अनुसार, देश में कैप्टिव खपत सहित 43773 मेगावाट पवन विद्युत क्षमता और 70096 मेगावाट सौर विद्युत क्षमता चालू की गई है। इसके अलावा, 14,346 मेगावाट पवन विद्युत क्षमता और 55,902 मेगावाट सौर विद्युत क्षमता निर्माणाधीन चरण में है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, देश में पवन और सौर ऊर्जा से उत्पादित विद्युत की मात्रा क्रमशः 71814 मिलियन यूनिट और 102014 मिलियन यूनिट थी।

(घ) सरकार ने देश में पवन और सौर ऊर्जा के साथ अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें अन्य के साथ-साथ शामिल हैः

- ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देना,
- 30 जून, 2025 तक चालू होने वाली परियोजनाओं के लिए सौर और पवन विद्युत की अंतर-राज्य बिक्री के लिए अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों की माफी और उसके बाद आईएसटीएस शुल्कों पर छूट में क्रमिक कमी,
- वर्ष 2029-30 तक अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता (आरपीओ) के लिए ट्रैजेक्ट्री की घोषणा करना,
- अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्कों की स्थापना हेतु अक्षय ऊर्जा डेवलपरों को लगाओ और चलाओ (प्लग एंड प्ले) के आधार पर भूमि और पारेषण उपलब्ध कराना,

- अक्षय विद्युत की निकासी के लिए नई पारेषण लाइनें बिछाना और नई सब-स्टेशन क्षमता तैयार करना,
- निवेशों को आकर्षित करने और सुविधाजनक बनाने के लिए परियोजना विकास एकक की स्थापना करना,
- ग्रिड संबद्ध सौर पीवी परियोजनाओं और पवन परियोजनाओं से बिजली की खरीद के लिए टैरिफ आधारित स्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के लिए मानक बोली दिशानिर्देश,
- सरकार ने यह आदेश जारी किए हैं कि विद्युत की आपूर्ति साख पत्र (लेटर ऑफ क्रेडिट – एलसी) या अग्रिम भुगतान के माध्यम से की जाएगी ताकि वितरण लाइसेंसधारियों द्वारा अक्षय ऊर्जा उत्पादकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके।
- हरित ऊर्जा खुली पहुंच नियमावली, 2022 के जरिए अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की अधिसूचना जारी करना,
- "विद्युत (विलंब भुगतान अधिभार और संबंधित मामले) नियमावली 2022" को अधिसूचित करना,
- केन्द्रीय पूल के लिए एकसमान अक्षय ऊर्जा टैरिफ के प्रावधान के साथ विद्युत संशोधन नियम 2022 को अधिसूचित करना
- एक्सचेंज के माध्यम से अक्षय ऊर्जा विद्युत की बिक्री को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से ग्रीन टर्म अहेड मार्केट (जीटीएएम) की शुरुआत की गई।
- अक्षय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों के तहत अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बोली ड्जेक्टरी जारी कर दी गई है।

(ङ) वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पवन और सौर विद्युत परियोजनाओं से बिजली उत्पादन क्रमशः 76641 मिलियन यूनिट और 108024 मिलियन यूनिट अनुमानित है।

*****